NEWS CLIPPING: 05.01.2017

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय में ग्रीन बिल्डिंग बनाने के लिए राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड के साथ करार किया गया

वाईएमसीए में पहली बार ग्रीन बिल्डिंग बनाई जाएगी

पहल

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

शहर में बढ़ते प्रदूषण और इससे होने वाली अन्य दिक्कतों पर अंकुश लगाने के मद्देनजर वाईएमसीए (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) ने पर्यावरण फ्रेंडली ग्रीन बिल्डिंग बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने बुधवार को राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड (एनबीसीसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

वाईएमसीए में अकादमिक, प्रशासनिक, आवासीय खंड के साथ छात्रावास बनाने के लिए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुल सचिव डॉ. एसके शर्मा, एनबीसीसी के कार्यकारी निदेशक राकेश गुप्ता की उपस्थिति में ग्रीन बिल्डिंग के निर्माण का समझौते किया गया। इसके तहत 50 करोड़ की लागत से करीब पांच मंजिला इमारत बनाई जाएगी।कार्य मार्च तक शुरू कर दिया जाएगा। इन्हें तैयार होने में करीब दो साल का वक्त लगेगा।

वाईएमसी ने बुधवार को एनबीसीसी के साथ करार किया

देश-विदेश में एनबीसीसी की परियोजनाएं

एनबीसीसी ने पर्यावरण के अनुकूलित भवनों के निर्माण के क्षेत्र में कई उपलब्धियां पाई हैं। निगम इराक, लिबिया, नेपाल, टर्की, मालद्वीप में भी अपनी सेवाएं दे चुका है। वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इस बारे में यह जानकारी दी।

विवि पर एक नजर

- **20** एकड़ में फैला है विश्वविद्यालय
- **4** इमारतों का निर्माण कार्य है प्रस्तावित
- **5** मंजिला इमारतों का किया जाएगा निर्माण
- **2** इमारतों के निर्माण को किया करार
- **50** करोड़ की लागत से बनेंगी इमारतें

क्या है ग्रीन बिल्डिंग

ग्रीन बिल्डिंग कांसेप्ट के तहत इमारत के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी इंतजाम किए जाते हैं। इनमें कचरों को हवादार बनाना, बिजली बचाने के लिए सोलर पैनल लगाना, जल संचयन के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना, जगह का अधिकतम इस्तेमाल, हरियाली बढ़ाना जैसे कदम उठाए जाते हैं। समझौते के दौरान एनबीसीसी के महाप्रबंधक डीके मित्तल, उपमहाप्रबंधक प्रवीण वसदान सहित अजय तनेजा, एसआर अग्रवाल मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 05.01.2017

DAINIK JAGRAN

वाइएमसीए के दो ब्लॉक में बनेगी ग्रीन बिल्डिंग

वाइएमसीए ने एनबीसीसी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वाइएमसीए विश्वविद्यालय में ग्रीन बिल्डिंग बनवाने को लेकर एनबीसीसी (नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन) के साथ एमओयू पर दस्तखत किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश अग्रवाल और एनबीसीसी के कार्यकारी निदेशक राकेश गुप्ता मौजूद थे।

कुलपति दिनेश कुमार ने बताया कि कॉरपोरेशन 50 करोड़ रुपये की लागत से विश्वविद्यालय का प्रशासनिक और विज्ञान ब्लॉक तैयार करेगा। इसके अलावा 23 राज्यों में ग्रीन बिल्डिंग पर काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की नई बिल्डिंग का काम दो वर्ष में पूरा हो जाएगा। इसके बाद छात्रों के लिए कुछ नए कोर्स भी शुरू किए जा सकते हैं।

क्या है ग्रीन बिल्डिंग: ऐसी बिल्डिंग जिसके डिजाइन से लेकर निर्माण और रखरखाव तक में पर्यावरण संरक्षण का खास ख्याल रखा जाता है उसे ग्रीन बिल्डिंग कहा जाता है। यह बिजली, पानी और अन्य संसाधनों की अधिक से अधिक बचत कर प्रदूषण पर लगाम कसने में मददगार साबित होती हैं। इन इमारत को ग्रीन कंस्ट्रक्शन के नाम से भी जाना जाता है। राकेश गुप्ता ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का मानना है कि दुनिया में बिजली की 40 फीसदी खपत और कार्बन डाईऑक्साइड के 24 फीसदी उत्सर्जन के लिए परंपरागत इमारतें जिम्मेदार हैं।

एमओयू साइन करते वाइएमसीए के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार और नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. राकेश गुप्ता • जागरण

50 करोड़ रुपये से बनेगा प्रशासनिक व विज्ञान ब्लॉक

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 05.01.2017

PUNJAB KESARI

पर्यावरण के अनुकूल बनाए जाएंगे भवन

वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने किया नए भवनों के निर्माण के लिए समझौता

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के पदाधिकारी एमओयू साइन करते। (रजत)

फरीदाबाद, 4 जनवरी (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने नये बनाये जाने वाले प्रशासनिक खण्ड तथा अकादमिक (विज्ञान) खण्ड को पर्यावरणुकूल बनाने के दृष्टिगत राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय को निगम भवनों के निर्माण के लिए डिजाइन, निर्माण तथा परामर्श सेवा प्रदान करेगा।

दोनों पक्षों के लिए आज यहां आयोजित एक कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से कुल सचिव डॉ. एस. के. शर्मा तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम की ओर से कार्यकारी निदेशक राकेश गुप्ता ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के महाप्रबंधक श्री डी के मिततल तथा उपमहाप्रबंधक प्रवीण बसवान और विवि. से कार्यकारी अभियंता श्री अजय तनेजा तथा तकनीकी सलाहकार एस आर अग्रवाल शामिल थे।

राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड भारत सरकार का निजी क्षेत्र उपक्रम है जो संपदा विकास और निर्माण के क्षेत्र में कार्य कर रहता है और परियोजना प्रबंधन के लिए परामर्श सेवाएं देता है। पर्यावरणुकूलित भवनों के निर्माण के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल है। निगम द्वारा संचालित परियोजनाएं देश के लगभग सभी राज्यों के साथ-साथ अन्य देशों जैसे इराक, लिबिया, नेपाल, टर्की, मारद्वीव में भी चल रहे है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय में बनने वाली प्रत्येक इमारत को पर्यावरणुकूलित बनाने की दिशा में कार्य कर रहा, जिससे न सिर्फऊर्जा संसाधनों की बचत होगी अपितु यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अधिक फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि पांच मंजिला नये भवनों का निर्माण कार्य दो वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जायेगा और जल्द ही विश्वविद्यालय नये पाठ्यक्रमों को शुरू करने की दिशा में भी कार्य करेगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 05 January 2017
epaper.punjabkesari.in//c/15890667

NEWS CLIPPING: 05.01.2017

AAJ SAMAJ

वाईएमसीए विवि में इको फ्रेंडली बनेंगे भवन

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद ने नए बनाए जाने वाले प्रशासनिक खंड तथा अकादमिक (विज्ञान) खंड को पर्यावरणकूल बनाने के दृष्टिगत राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। दोनों पक्षों के लिए आज यहां आयोजित एक कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से कुल सचिव डॉ. एसके शर्मा तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम की ओर से कार्यकारी निदेशक राकेश गुप्ता ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के महाप्रबंधक डीके मित्तल तथा उपमहाप्रबंधक प्रवीण बसवान और विवि. से कार्यकारी अभियंता अजय तनेजा तथा तकनीकी सलाहकार [illegible] शामिल रहे।

NEWS CLIPPING: 05.01.2017

NAVBHARAT TIMES

यूनिवर्सिटी ने मिलाया हाथ

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद :** वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ने प्रशासनिक खंड और अकादमिक (विज्ञान) खंड को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत निगम यूनिवर्सिटी को भवनों के निर्माण के लिए डिजाइन तथा परामर्श सेवा प्रदान करेगा। यूनिवर्सिटी की ओर से कुल सचिव डॉ. एसके शर्मा और राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम की ओर से कार्यकारी निदेशक राकेश गुप्ता ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के महाप्रबंधक डीके मित्तल तथा उपमहाप्रबंधक प्रवीण बसवान और अजय तनेजा व तकनीकी सलाहकार एसआर अग्रवाल मौजूद थे।